सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक: 68 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 13 अप्रैल, 2026
मूल्य ₹ 3/-

प्रकृति खुद में सबसे अच्छी चिकित्सक है।
-हिप्पोक्रेटीस

हैदराबाद के सामने रॉयल्स को रोकने... 7
महाराष्ट्र की सियासत में दिखा सहयोग... 3
दरी बिछाने का अनुभव बोल रहा... 2

जलता नोएडा, बेकाबू गुस्सा असंतोष बना आक्रोश

मजदूरों का फूटा गुस्सा

प्रशासन, नीतियां या सिस्टम... आखिर जिम्मेदार कौन?

» नोएडा की फैक्ट्रियों में काम करने वाले मजदूरों की वेतन बढ़ाने की मांग
» कई स्थानों पर पथराव
» दमकल विभाग और दंगा नियंत्रण वाहन भी तैयार रखे गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नोएडा शहर जिसे प्लांड डेवलपमेंट हाईटेक इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश की राजधानी कहा जाता है। वहां आज उठती आग की लपटें एक खौफनाक मंजर बयान कर रही हैं। नोएडा की फैक्ट्रियों में काम करने वाले मजदूर वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर पिछले कई दिनों से आंदोलन कर रहे थे। आज उनका गुस्सा फूटा है और उन्होंने आसपास खड़े वाहनों में आग लगा कर अपना विरोध प्रदर्शन किया है। कई स्थानों पर पथराव की घटनाएं भी हुई है जिसमें कुछ पुलिसकर्मी घायल हुए।

पुलिस कार्रवाई में भी कुछ लोगों के घायल होने की सूचना है जबकि एक महिला के गंभीर रूप से घायल होने की चर्चा है जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रशासन श्रम विभाग और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी लगातार श्रमिकों और उद्योगपतियों से संवाद कर स्थिति को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं। अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) राजीव नारायण मिश्र ने बताया है कि स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। ड्रोन के जरिए निगरानी की जा रही है तथा दमकल विभाग और दंगा नियंत्रण वाहन भी तैयार रखे गए हैं। शनिवार को थाना फेस-2, फेस-3 और इकोटेक-3 क्षेत्रों में श्रमिकों ने उग्र प्रदर्शन किया था।

वेतन विवाद से भड़की आग, भीतर से दरकता विकास का मॉडल

दबे हुए असंतुलन की अभिव्यक्ति

ऐसी स्थिति में कोई एक चिंगारी काफी होती है। और वही चिंगारी विस्फोट का रूप ले लेती है। सड़कों पर उतरता गुस्सा टूटती व्यवस्थाएं और बेकाबू हालात दरअसल उसी दबे हुए असंतुलन की अभिव्यक्ति होते हैं जिसे लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया। नोएडा की मौजूदा स्थिति इसी सच्चाई की ओर इशारा करती है कि विकास की कहानी तब तक अधूरी है जब तक उसमें मजदूर की हिस्सेदारी न्यायपूर्ण नहीं होती। अगर इस असंतुलन को समय रहते नहीं संभाला गया तो यह आक्रोश सिर्फ एक घटना तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि एक पैटर्न बन सकता है जो किसी भी आधुनिक शहर के लिए सबसे बड़ा खतरा होता है।

नोएडा की घटना कैलिफोर्निया की घटना जैसी?

क्या नोएडा में फूटा मजदूरों का गुस्सा कैलेफोर्नियां की उस घटना की तरह है जहां एक मजदूर ने पूरे वियरहाउस में आग लगा कर कंपनी का अरबों रूपयों का नुकसान कर दिया था। वहां का मजदूर भी वेतन विसंगतियों से त्रस्त आ चुका था। सवाल बड़ा है और

इसका उत्तर ढूंढना लाजमी है, आखिर नोएडा के यह हालात एक दो दिन में नहीं हुए है। मजदूर लंबे समय से वेतन को बड़ाने की मांग कर रहे है क्योंकि नोएडा एक महंगा शहर है। सवाल यही है कि समय रहते मजदूरों से बात क्यों नहीं कि गयी? सवाल यह भी है कि उनकी जायज मांगों को अभी तक क्यों नहीं सुना गया? उनके भीतर के गुस्से को क्यों पनपने दिया गया।

औद्योगिक शहर की ताकत ऊंची इमारतें नहीं मजदूर होते हैं

किसी भी औद्योगिक शहर की असली ताकत उसकी ऊंची इमारतें चमचमाते एक्सप्रेसवे या बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बोर्ड नहीं होते बल्कि उसकी असली रीढ़ वह मजदूर होते हैं जिनके पसीने से यह पूरी मशीनरी चलती है। नोएडा भी इसी सच पर खड़ा शहर है। यहां की हजारों फैक्ट्रियां निर्माणाधीन परियोजनाएं और तेजी से बढ़ता सर्विस सेक्टर सब कुछ मजदूरों की मेहनत पर टिका है। लेकिन जब यही मजदूर यह महसूस करने लगें कि उनके श्रम की कीमत लगातार घट रही है तो विकास का यह माडल भीतर से दरकने लगता है। पिछले कुछ समय में महंगाई ने जिस रफ्तार से आम आदमी की जेब पर हमला किया है उसका सबसे गहरा असर निचले तबके पर पड़ा है। रोजमर्रा की जरूरतें अब बोझ बनती जा रही हैं। रसोई

का खर्च पहले से कहीं ज्यादा बढ़ चुका है। दाल, तेल, सब्जियां सब आम आदमी की पहुंच से धीरे धीरे दूर खिसकती नजर आ रही हैं। दूसरी तरफ शहर में रहने की कीमत भी लगातार बढ़ रही है। किराया जो कभी आय का एक हिस्सा होता था अब आधी कमाई निगलने लगा है। बच्चों की पढ़ाई दवाइयां बिजली पानी हर मोर्चे पर खर्च का दबाव बढ़ता जा रहा है।

कहानी का सबसे दर्दनाक पहलू

लेकिन इस पूरी कहानी का सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि जिस रफ्तार से खर्च बढ़ रहा है उसी रफ्तार से मजदूरी नहीं बढ़ी। ज्यादातर मजदूर आज भी उसी वेतन ढांचे में जकड़े हुए हैं जो वर्षों पहले तय हुआ था या उसमें सिर्फ नाममात्र की बढ़ोतरी हुई है। यह अंतर आमदनी और खर्च के बीच में

गहरी खाई बनता जा रहा है। और यही खाई असंतोष को जन्म देती है। शुरुआत में यह असंतोष धीमा होता है शिकायतों बातचीत और उम्मीदों के रूप में। लेकिन जब बार बार आवाज उठाने के बाद भी कोई ठोस बदलाव नहीं होता तो यही असंतोष आक्रोश में बदलने लगता है। मजदूर के लिए यह केवल पैसों का सवाल नहीं रह जाता बल्कि सम्मान और अस्तित्व का मुद्दा बन जाता है। उसे लगता है कि वह शहर को खड़ा कर रहा है लेकिन खुद उसके हिस्से में असुरक्षा और संघर्ष ही आ रहा है।

दरी बिछाने का अनुभव बोल रहा है: अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख ने भाजपा पर साधा निशाना, कहा-

» ब्राह्मणों के खिलाफ अत्याचार पर बोलती बंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सपा प्रमुख अखिलेश यादव का भाजपा पर प्रहार जारी है। इस बार उन्होंने जिसमें बिना नाम लिए डिप्टी सीएम बृजेश पाठक को निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा कि ये इनकी दरी बिछाने का अनुभव बोल रहा है, पहले कहीं और बिछाते थे, वहां कोई पूछ नहीं रहा। दरअसल एक इंटरव्यू में बृजेश पाठक ने कहा था कि अब्दुल कब तक सपा के लिए दरी बिछाता रहेगा।

वहीं अब इसके जवाब में अखिलेश यादव ने बृजेश पाठक पर तंज कसते हुए अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक लंबा चौड़ा पोस्ट किया है। जिसमें सरकार में स्थिति के साथ ही कई और मुद्दों पर घेरा है, खासकर प्रदेश में ब्राह्मणों के खिलाफ अत्याचार का मुद्दा उठाया। जिसमें शंकराचार्य अविमुक्तेशारानंद का उदहारण दिया। अखिलेश यादव ने बिना नाम लिए डिप्टी सीएम बृजेश पाठक को ही निशाना बनाया है, जिसमें उन्होंने मुस्लिमो को दरी बिछाने की बात कही थी. अखिलेश यादव ने लिखा, हार की हताशा, बिगाड़ती है भाषा,ये इनका दरी बिछाने का अनुभव बोल रहा है, पहले कहीं और बिछाते थे, जब वहां कोई पूछ नहीं रह गयी तो आज जहां आये वहां तो दरी बिछाने लायक भी नहीं रह गये इन्हें ही सपाट करके दरी बना दिया गया, जिसपर चलकर लोग कहां से कहां पहुंच गए।

स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार का बोलबाला

अखिलेश यादव ने स्वास्थ्य विभाग पर सवाल उठाए जो बृजेश पाठक के ही पास है. बोले, इनके कुवचनों पर हम क्रोध नहीं करेंगे बल्कि सहानुभूति रखते हैं क्योंकि आजकल ये अस्त-व्यस्त और असंतुलित चल रहे हैं। इनका मंत्रालय कौन सा है, इन्हें ये भी याद नहीं होगा तभी वो बीमार-सा पड़ा है और ये चलाचली की इस अंतिम बेला में अपने भ्रष्टाचार के बिखरे सिक्के बटोरने में ही लगे हुए हैं।

इनके मुखिया को 'हाता नहीं भाता'

प्रदेश में ब्राहमण समाज के खिलाफ बढ़ती घटनाओं पर भी अखिलेश ने घसीटा. लिखा, इनकी हालत इसलिए भी ज्यादा ख़राब है क्योंकि इनके मुखिया की 'हाता नहीं भाता' की सालों पुरानी प्रतिशोधकारी कुनीति के कारण परम पूज्य शंकराचार्य जी और उनके बटुकों के घोर अपमान के बावजूद भी अपने स्वार्थवश ये बस राजनीतिक लाभ उठाने में ही लगे रहे. इनकी 'बाटी-बैठक' तक पर जो नोटिस आया तब भी इन्होंने उसको अपने नोटिस में नहीं लिया बल्कि अपने समाज से पूरी तरह मुंह मोड़ लिया. यही कारण है कि अब सनातन और अपने समाज, दोनों से इनका पूरी तरह 'मानसिक बहिष्कार' कर दिया गया है, अब ये किसी घाट के नहीं रहे. जाएं तो जाएं कहाँ? आगे कहा कि हम तो शालीनता और सभ्यता से बस यही पूछेंगे कि जिस समाज को आप 'दो टके' का कहकर घोर अपमानित कर रहे हैं, उनसे बुरी तरह हारनेवाले के बाद आप खुद कितने टके के रह गये हैं?

पीडीए समाज इन्हे माफ नहीं करेगा

बृजेश पाठक द्वारा की गयी टिप्पणी पर अखिलेश यादव ने कहा, पीडीए समाज के प्रति अपमानजनक भाषा कुछ ऐसे दंभी लोगों की पुरानी आदत है, पीडीए समाज इन्हें माफ़ नहीं करेगा। पीडीए समाज के खिलाफ़ दिये गये इस बयान से पीडीए समाज तो इनकी 'राजनीतिक नाकाबंदी' करेगा ही, इनका अपना वर्तमान दल भी, दल-बदल कर आये ऐसे व्यक्ति को बाहर का रास्ता दिखा देगा, मुखिया जी को इन्हें हटाने का बहाना, इन्होंने खुद दे दिया है। ये कथन नहीं राजनीतिक आत्महत्या है. अब ये न सनातन के रहे, न अपने समाज के, न सियासत के लायक. इनका राजनीतिक वर्तमान और भविष्य दोनों समाप्त और ये पोस्ट भी।

अपनी ही सरकार पर वसुंधरा राजे ने साधा निशाना

» बोलीं पूर्व सीएम- मैं खुद को भी नहीं बचा पाई, बयान के बाद विपक्ष ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वसुंधरा राजे की सफाई

विवाद बढ़ता देख वसुंधरा राजे ने स्पष्टीकरण जारी किया। उन्होंने कहा कि उनके बयान को गलत संदर्भ में पेश किया गया है। उन्होंने सफाई देते हुए कहा, धौलपुर में जब मेरे घर के सामने से नेशनल हाईवे गुजरा, तो मुझे अपनी चारदीवारी पीछे हटानी पड़ी थी। नियमों की वजह से मैं अपना खुद का घर भी नहीं बचा पाई थी। मैंने इसी का उदाहरण दिया था कि जब मैं अपना घर नहीं बचा सकी, तो किसी और का घर कैसे बचा सकती हूं? राजे ने अंत में कहा कि उनके लिए जनता के प्यार से बड़ा कोई पद नहीं है और यह बयान तोड़-मरोड़कर पेश करना विरोधियों की एक साजिश है।

राजे के समर्थन में उतरे अखिलेश और गहलोत

जयपुर दौरे पर आए उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने राजे का समर्थन करते हुए कहा, अगर वसुंधरा जी मुख्यमंत्री होतीं, तो शायद और बेहतर काम होता। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी सहमति जताई, जिससे भाजपा के अंदरूनी कलह को हवा मिली।

जयपुर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के एक हालिया बयान ने प्रदेश की राजनीति में हलचल मचा दी है। मनोहर थाना में एक जनसभा के दौरान उनके द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्दों को लेकर पक्ष-विपक्ष में जुबानी जंग छिड़ गई है। जनसंपर्क यात्रा के दौरान लोगों की समस्याओं पर बात करते हुए वसुंधरा राजे ने कहा, आप लोग अपना प्यार और भरोसा बनाए रखें।

छोटी-मोटी दिक्कतें तो होती रहती हैं। किसी का घर नहीं बन पा रहा, किसी को मुआवजा नहीं मिला... मेरे साथ भी ऐसा होता है, मैं तो अपने लिए भी कुछ नहीं कर पाई। मैंने अपना सब कुछ खो दिया। मैं खुद को भी नहीं बचा पाई। इस बयान के वायरल होते ही सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो गई कि क्या राजे मुख्यमंत्री पद न मिलने का दुख प्रकट कर रही हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने राजे के बयान पर पलटवार करते हुए बीकानेर में कहा, वसुंधरा जी के सारे काम हो रहे हैं। वह खुद को कैसे नहीं बचा पाईं? हर बार कोई एक ही व्यक्ति मुख्यमंत्री नहीं बन सकता। इस दौरान उन्होंने एक मारवाड़ी दोहा सुनाकर मामले को और गरमा दिया, चिट्ठी (चपाती) चूर-चूर करे, मांगे दाल और घी। मोदी से कौन झगड़ा करे, चिट्ठी खाने नाल। इसका अर्थ समझाते हुए राठौड़ ने संकेत दिया कि जो मिल रहा है उसे स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि मोदी से कोई मुकाबला नहीं कर सकता। इस बयान को राजनीतिक विश्लेषक एक बड़े सियासी संदेश के रूप में देख रहे हैं।

विस चुनाव के लिए रहें तैयार: अजय राय

» कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की पदाधिकारियों से अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि जहां भी जनता के उत्पीड़न की शिकायतें मिले, वहां कांग्रेस कार्यकर्ता तत्काल पहुंचे और उत्पीड़न करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दें। वह प्रदेश कार्यालय में कांग्रेस सूचना का अधिकार विभाग के पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि पार्टी के हर कार्यकर्ता विधानसभा चुनाव 2027 के लिए तैयार रहे। अजय राय ने कहा कि कांग्रेस की यूपीए-1 की मनमोहन सरकार ने वर्ष 2005 में आम जनमानस को सरकार से जानकारी प्राप्त करने तथा भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए एक अधिकार के रूप में आरटीआई कानून बनाया गया था। जिसे मोदी सरकार ने अपने भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए कमजोर कर दिया है। सूचना के अधिकार के कार्यकर्ताओं को फर्जी मुकदमों में फसाया जा रहा है जिससे सरकार का भ्रष्टाचार उजागर ना हो सके। अध्यक्षता आरटीआई विभाग के प्रदेश अध्यक्ष पुष्पेन्द्र श्रीवास्तव ने की। मौके पर मनीष हिंदवी, अनामिका यादव, अली आसिफ जमा रिजवी, डॉ. आजाद बेग, बृज मौर्या, डॉ0 अमित राय आइद मौजूद रहे।

ओमप्रकाश राजभर और संजय निषाद बढ़ाएंगे भाजपा का सिरदर्द

» 27 विस चुनाव से पहले रस्साकसी, वाराणसी में रैली करेंगे दोनों नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 27 को अभी से हलचल बढ़ गई है। भाजपा के दो सहयोगी उसे सिरदर्द देने की तैयारी में लग गए है। रैलियों का दौर अभी से ही शुरू हो चुका है। प्रमुख पार्टियों के अलावा अब घटक दल भी अपनी तैयारी में जुट चुके हैं। इसी बीच आने वाले 26 अप्रैल को वाराणसी जनपद में एनडीए के दो दलों की बड़ी रैली होने वाली है, जिसको लेकर नेताओं ने अभी से ही वाराणसी में डेरा डाला है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 26 अप्रैल को कैबिनेट मंत्री संजय निषाद वाराणसी जनपद के नदेसर स्थित क्षेत्र में एक बड़ी रैली आयोजित करने जा रहे हैं। इसको लेकर वह अभी से ही वाराणसी में अपने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रहे हैं. उन्होंने इस रैली को सफल बनाने के लिए वाराणसी में ही डेरा डाला है। तो वहीं दूसरी तरफ सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की तरफ से भी 26 अप्रैल को पिंडरा विधानसभा के नेशनल इंटर कॉलेज में एक महारैली आयोजित की जाएगी, जिसमें मंत्री ओमप्रकाश राजभर शामिल होंगे। इसको लेकर सुभासपा कार्यकर्ताओं की तरफ से वाराणसी में रविवार के दिन एक बैठक आयोजित की गई। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर सीट बंटवारे में अभी वक्त है, लेकिन अभी से ही अपने दावेदारी को लेकर सहयोगी दलों ने अपनी मंशा जाहिर कर दी है. उत्तर प्रदेश के कुछ ऐसे सीटों पर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ने चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है जो निषाद वोटर बाहुल्य तौर पर देखी जाती है। अब इस पर मंत्री संजय निषाद के बयान के बाद यह कयास लगाए जा रहे हैं कि एनडीए के घटक दलों में सीटों को लेकर अभी से ही खींचातानी शुरू हो गई. ऐसे में 26 अप्रैल को वाराणसी जनपद में यह दोनों नेता मंच से क्या कहते हैं, यह बेहद महत्वपूर्ण होगा।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

पाक से भारत को होड़ की भावना नहीं रखनी चाहिए: थरूर

» कांग्रेस नेता ने सीक्रेट यूएस तालमेल पर पाक को लताड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इस्लामाबाद में चल रही अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पाकिस्तान की भूमिका पर तीखा तंज कसा है। थरूर ने कहा कि पाकिस्तान और अमेरिका के बीच पर्दे के पीछे गहरा तालमेल चल रहा है, जिसका उदाहरण पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सोशल मीडिया पोस्ट में दिखता है।

शशि थरूर ने यह भी कहा कि भारत को इस मामले में पाकिस्तान के साथ किसी प्रतिस्पर्धा या होड़ की भावना नहीं रखनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि इन कोशिशों से शांति स्थापित होती है, तो यह मायने नहीं रखता कि पहल किसने की। हालांकि, उन्होंने सचेत किया कि यदि शांति के ये प्रयास विफल होते हैं, तो उसके कारणों का गहराई से विश्लेषण करना बेहद जरूरी होगा। शशि थरूर ने शहबाज शरीफ की उस वायरल पोस्ट का जिक्र किया, जो उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के लिए लिखी थी। थरूर ने कहा, मुझे लगता है कि अमेरिका ने ही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को यह संदेश पोस्ट करने के लिए कहा था। वरना कोई अपनी पोस्ट में ड्राफ्ट- पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का संदेश क्यों लिखेगा? इस मैसेज की भाषा और शब्द भी अमेरिकी संलिप्तता की ओर इशारा करते हैं। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि अमेरिका के लिए जो काम पाकिस्तान कर रहा है, वह कोई और नहीं कर सकता। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक हालिया रिपोर्ट ने भी थरूर की बातों को मजबूती दी है। रिपोर्ट के अनुसार, शहबाज शरीफ की अपील अचानक नहीं थी, बल्कि यह व्हाइट हाउस के साथ मिलकर किया गया एक कूटनीतिक प्रयास था। सूत्रों का दावा है कि शरीफ के बयान को जारी करने से पहले व्हाइट हाउस ने उसकी समीक्षा की थी और अपनी मंजूरी दी थी। यह कूटनीतिक तालमेल दिखाता है कि अमेरिका पर्दे के पीछे से पाकिस्तान के जरिए बातचीत की दिशा तय कर रहा है।

महाराष्ट्र की सियासत में दिखा सहयोग का रंग

बारामती उपचुनाव : सुनेत्रा को सभी दलों का साथ

» एनसीपी शरद पवार व कांग्रेस ने किया समर्थन

» दोनों दलों ने अपने उम्मीदवारों के नाम लिए वापस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की सियासत भी कभी-कभी अजीबोगरीब रंग दिखाती है। कभी विपक्ष महाअघाड़ि के निशाने पर रहने वाले दिवंगत नेता अजित पवार निधन के बाद सबके चहेते बनते जा रहे हैं। दरअसल अजित पवार के निधन के बाद हो रहे बारामती उपचुनाव में उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार की निर्विरोध जीत लगभग तय है, क्योंकि कांग्रेस ने एनसीपी के दबाव और श्रद्धांजलि के तौर पर अपने उम्मीदवार का नाम वापस ले लिया है। यह फैसला सुप्रिया सुले और एनसीपी के वरिष्ठ नेताओं की अपील के बाद महाराष्ट्र की राजनीतिक परंपराओं का सम्मान करते हुए लिया गया।

वहीं शिवसेना यूबीटी भी इसपर ज्यादा विरोध के मूड में नहीं है हालांकि विशेषज्ञ इसको मराठी अस्मिता की बात कह रहे हैं। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार, कांग्रेस के चुनाव से हटने के बाद बारामती उपचुनाव में निर्विरोध जीत जाएंगी। कांग्रेस ने अजित पवार के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए चुनाव से नाम वापस लिया। अजित पवार एक अनुभवी राजनेता थे जिनका 28 जनवरी को बारामती हवाई अड्डे पर उतरने की कोशिश के दौरान उनके चार्टर्ड विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से निधन हो गया था। वहीं सुनेत्रा पवार को समर्थन देने पर शिवसेना (यूबीटी) का रुख अभी तय नहीं है; संजय राउत ने कहा कि अंतिम निर्णय पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे लेंगे। राउत ने इस सीट को एनसीपी की पारंपरिक सीट बताते हुए कहा कि महा विकास अघाड़ी के नेता इस पर सामूहिक रूप से विचार कर रहे हैं।

जिंदगी का सबसे कठिन चुनाव : सुनेत्रा पवार

महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने 6 अप्रैल को बारामती विधानसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया और निर्विरोध चुनाव का आह्वान किया। उन्होंने कहा यह मेरे जीवन का सबसे कठिन चुनाव है, ऐसा समय किसी के साथ नहीं आना चाहिए। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की प्रमुख पवार भाजपा के साथ गठबंधन में उपचुनाव लड़ेंगी। नामांकन दाखिल करने के बाद, उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि वह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को चुनाव निर्विरोध कराने के लिए मनाने की कोशिश की जिसका मतलब यह था कि कांग्रेस उम्मीदवार आकाश विजयराव मोरे को अपना नामांकन वापस ले लेना चाहिए। और अंतत उनकी मदद कांग्रेस की ओर कर दी गई।

सुनेत्रा पवार को संजय राउत ने दी शुभकामनाएं

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बारामती विधानसभा उपचुनाव से पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की नेता सुनेत्रा पवार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महा विकास अघाड़ी को समर्थन देने का अंतिम निर्णय पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ही लेंगे। राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में कई राजनीतिक दल हैं। सुनेत्रा पवार को शुभकामनाएं। महाविकास अघाड़ी के रूप में हमारे पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ही उन्हें समर्थन देने का निर्णय लेंगे। उद्धव ठाकरे और सुनेत्रा पवार ने इस बारे में चर्चा की है। चुनाव का समय आ गया है, ना प्रचार होगा, जांच-पड़ताल होगी और फिर मतदान प्रक्रिया पूरी होगी। संजय राउत ने बारामती सीट की एनसीपी से जुड़ी राजनीतिक विरासत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह एनसीपी की सीट है और

अजित पवार की पार्टी हमेशा से वहां चुनाव लड़ती रही है। अजित पवार खुद शरद पवार की तरफ से एनसीपी के उम्मीदवार थे। अब उनकी पत्नी चुनाव लड़ रही हैं और उनकी उद्धव ठाकरे से फोन पर बातचीत हुई है। हमारा उम्मीदवार वहां चुनाव नहीं लड़ रहा है। राउत ने यह भी स्पष्ट किया कि शिवसेना (यूबीटी) कांग्रेस उम्मीदवार को वापस लेने का अनुरोध नहीं करेगी और एमवीए गठबंधन में एकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एमवीए में है। हम यह नहीं कहेंगे कि वे अपना उम्मीदवार वापस ले लें।

20 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस लिया

बारामती उपचुनाव के लिए 20 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस ले लिया था। शुरुआत में कुल 55 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए थे। सुप्रिया सुले ने गुरुवार को कांग्रेस नेतृत्व से सीधे अपील करते हुए इस कदम को श्रद्धांजलि के रूप में पेश किया। पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि अजित पवार के असामयिक निधन के बाद, बारामती विधानसभा क्षेत्र में अब उपचुनाव होने जा रहा है। उन्होंने पवार के कांग्रेस के साथ लंबे जुड़ाव पर जोर देते हुए कहा कि अजित दादा की राजनीतिक यात्रा कांग्रेस पार्टी से शुरू हुई थी, और पार्टी से आग्रह किया कि वह बारामती में निर्विरोध चुनाव पर विचार करे, जो उनकी सार्वजनिक सेवा और समावेशी राजनीति की विरासत के लिए एक गरिमापूर्ण और हार्दिक श्रद्धांजलि होगी।

एनसीपी नेताओं के लगातार दबाव के बाद उम्मीदवारी वापस लेने का फैसला : सपकाल

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि पार्टी ने शुरू में बारामती उपचुनाव के लिए आकाश मोरे को उम्मीदवार बनाकर चुनाव प्रचार शुरू कर दिया था, लेकिन एनसीपी नेताओं के लगातार दबाव के बाद उम्मीदवारी वापस लेने का फैसला किया। सपकाल ने कहा कि हमने आंतरिक रूप से चर्चा की और हमारा मानना था कि हमारा निर्णय सही था, लेकिन महाराष्ट्र की परंपरा और मिले दबाव को देखते हुए पार्टी ने बारामती उपचुनाव से आकाश मोरे को उम्मीदवार न बनाने का फैसला किया है। उन्होंने आगे कहा कि अजित पवार का निधन निश्चित

रूप से दुर्भाग्यपूर्ण था। वे अतीत में कांग्रेस से भी जुड़े रहे थे। सुनेत्रा पवार ने आज तक मुझे तीन बार फोन किया। एक प्रतिनिधिमंडल ने भी मुझसे मुलाकात की। एनसीपी के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल और धनंजय मुंडे ने भी फोन पर मुझसे अनुरोध किया। एनसीपी से रोहित पवार ने भी यही अनुरोध किया और कांग्रेस के खिलाफ दिए गए बयान पर खेद व्यक्त किया। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि पर यह घोषणा की गई है, जिससे कांग्रेस के रुख को लेकर कई दिनों से चली आ रही अनिश्चितता का अंत हो गया है।

एमवीए के भीतर कोई भ्रम नही

आंतरिक गठबंधन संबंधी चर्चाओं के बारे में राउत ने पुष्टि की कि एमवीए के भीतर कोई भ्रम नहीं था और निर्णय सामूहिक रूप से लिए गए थे, उन्होंने उद्धव ठाकरे और एनसीपी प्रमुख शरद पवार के बीच उपचुनावों के बारे में हुई बातचीत का उल्लेख किया। भाजपा की आलोचना करते हुए राउत ने भाजपा नेता नीतीश राणे की टिप्पणियों का जवाब देते हुए कहा कि भाजपा और छत्रपति शिवाजी महाराज का कोई संबंध नहीं है। भाजपा सिर्फ इतिहास को तोड़-मरोड़ रही है। भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार, महाराष्ट्र की बारामती और राहुरी विधानसभा सीटों पर उपचुनाव 23 अप्रैल को होने हैं और मतगणना 4 मई को होगी।

प्रफुल पटेल और मैं कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे से संपर्क में थे

पवार ने कहा कि प्रफुल पटेल और मैं कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि उनसे इस चुनाव को निर्विरोध कराने का अनुरोध कर सकें। यह चुनाव सिर्फ मेरा नहीं है, यह बारामती के सभी लोगों का चुनाव है। एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल पटेल ने उनकी अपील का समर्थन करते हुए बताया कि उन्होंने इस मामले में खर्गे के सहायक को संदेश भेजा

था। पटेल ने कहा कि बारामती चुनावों के लिए हमने सभी दलों के नेताओं से बात करने की कोशिश की। उन्होंने पिछले तीन दिनों से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से बात करने की कोशिश की। महाराष्ट्र के मंत्री अदिति सुनील तटकरे, छगन भुजबल और चंद्रशेखर बावनकुले ने भी बारामती में निर्विरोध उपचुनाव की मांग का समर्थन किया था। तटकरे ने कहा कि उन्होंने बारामती उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल कर दिया है। यह चुनाव अजित पवार के बाद हो रहा है। हमने उनके बिना बारामती चुनाव के बारे में कभी सोचा भी नहीं था। वह राज्य की उपमुख्यमंत्री हैं। सभी लोग इस चुनाव को निर्विरोध कराने का अनुरोध कर रहे। भुजबल ने कहा कि सभी पार्टियां उनका समर्थन करती हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

ग्रामीण पलायन को रोकने को हो ठोस उपाय

सरकारें गांवों में रोजगार के लिए कई योजनाएं लाती रहती हैं। जिनका मकसद होता है गांवों से शहरों की ओर पलायन रूके। कांग्रेस की सरकार के समय इसी को देखते हुए मनरेगा शुरू किया गया था। जिसे वर्तमान सरकार ने नामबदल कर बीवीजी-रामजी रख दिया है। इसके अलावा अन्य कई योजनाएं भी चालू की गई हैं। पर इनसबके बाद भी जो आंकड़े सामने आते हैं कि पिछले सालों में पलायन रूका नहीं है बल्कि बढ़ा ही है। सरकारों को फिर से अपनी नीतियों की समीक्षा करके कुछ और ठोस व्यवस्था करनी पड़ेगी ताकि ग्रामीण अपने जिले में काम मिले और वह शहरों की ओर न भागे। घर परिवार चलाने के लिए आजीविका की तलाश सब करते हैं। लेकिन आजीविका की इस तलाश में अपनी माटी से ही नाता टूटने लगे तो चिंता होना स्वाभाविक है। कई प्रदेशों में स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध होने का संकट इतना भयावह है कि गांव के गांव खाली होते दिख रहे हैं।

बड़ी संख्या में परिवार यहां से गुजरात और महाराष्ट्र या अन्य विकसित की ओर पलायन करने को मजबूर हो जाते हैं। यह तो तब है कि सरकार ने रोजगार गारंटी को लेकर नियम-कायदे तक बरसों से बना रखे हैं। इन नियमों का फायदा पूरी तरह मिलता दिखे तो भला लोग दूसरे प्रदेशों का रुख क्यों करें? मनरेगा जैसे कानून गांवों को आत्मनिर्भर बनाने और पलायन रोकने के लिए ही बनाए गए थे। आदिवासी इलाकों में होली व दिवाली अब सिर्फ त्योहार नहीं रहे, पलायन के कैलेंडर बन चुके हैं। सवाल है कि जब काम का अधिकार कानून में दर्ज है, तो फिर मजबूरी क्यों? सरकार ने हाल में विकसित भारत- रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण (बीवी-जी राम जी) के तहत काम के दिन 100 से बढ़ाकर 125 करने का ऐलान किया। समस्या योजना की मंशा में नहीं, उसके क्रियान्वयन की आत्मा में है। मांग आधारित रोजगार के सिद्धांत को अब बजट आधारित प्रबंधन ने निगल लिया है। होना तो यह चाहिए कि काम तब मिले जब मजदूर मांग करे, लेकिन अब काम तभी मिलता है जब बजट अनुमति दे। उदाहरण में यही कारण है कि बांसवाड़ा जैसे जिलों में तीन महीनों में ही मानव दिवस 76 प्रतिशत तक गिर गए। पिछले पांच वर्षों में बजट घटा, श्रमिकों की संख्या 46.5 प्रतिशत घटी और औसत मानव दिवस भी लगातार नीचे आया। यह संकट सिर्फ आर्थिक ही नहीं, सामाजिक भी है। पलायन से गांवों का सामाजिक ढांचा टूटता है। बच्चों की पढ़ाई छूटती है, महिलाओं की सुरक्षा प्रभावित होती है और बुजुर्ग अकेले रह जाते हैं। क्या यही विकसित भारत की तस्वीर है? रोजगार की गारंटी देने वाली किसी भी योजना को पूरी तरह से मांग आधारित बनाना होगा।

“ सरकारों को फिर से अपनी नीतियों की समीक्षा करके कुछ और ठोस व्यवस्था करनी पड़ेगी ताकि ग्रामीण अपने जिले में काम मिल और वह शहरों की ओर न भागे। घर परिवार चलाने के लिए आजीविका की तलाश सब करते हैं। लेकिन आजीविका की इस तलाश में अपनी माटी से ही नाता टूटने लगे तो चिंता होना स्वाभाविक है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पंजाब व हरियाणा में मुश्किल दौर की आहट

निर्मल संधू

किसान तरनतारन का हो या रोहतक का या फिर बिहार अथवा यूपी का कोई प्रवासी मजदूर, उसने कभी सोचा भी नहीं होगा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ईरान में किया गया सैन्य 'दखल' एक दिन उसकी जिंदगी पर इतना गहरा असर डालेगा कि उसके जीवन-यापन की लागत पर बन आएगी। भले ही अब इस्राइल और अमेरिका ईरान पर बमबारी बंद कर भी दें, लेकिन अगर राज्यों के चुनावों के बाद तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो स्थिति और भी बदतर हो सकती है। ट्रंप के इस कदम ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिलाकर रख दिया है और इसका असर भारतभर में महसूस किया जा रहा है। भले ही सरकार आर्थिक नुकसान के असर को ढांपने की कितनी भी कोशिश क्यों न कर ले।

होर्मुज जलडमरू के बंद होने से दुनियाभर के तेल और गैस बाजारों में उथल-पुथल मच गई है, जिसके चलते महंगाई तेजी से बढ़ी है और भोजन एवं उर्वरकों की किल्लत पैदा हो गई है। यह संकट केवल गैस सिलेंडरों के लिए मची अफरा-तफरी या किसी शहर अथवा इलाके के पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लगी लंबी लाइनों तक ही सीमित नहीं है। भले ही सरकार पर्याप्त आपूर्ति सुचारु रखने का कितना भी भरोसा क्यों न दिला रही हो। इससे भी बड़ा खतरा है पूरे देश में आर्थिक मंदी छाने का, रोजगार के अवसर छिन जाने का, और लोगों की आमदनी कम हो जाने का। पंजाब, हरियाणा और केंद्र सरकार में सत्तासीन राजनेता, जमाखोरी और मुनाफाखोरी पर लगाम कसने, आपूर्ति शृंखलाओं को सुचारु बनाए रखने, विशेष रूप से कृषि व उद्योगों को वैश्विक ईंधन कीमतों के इस भीषण प्रहार से बचाने की योजनाएं बनाने की बजाय, अपना ज्यादातर समय और ऊर्जा केवल अखबारों की सुर्खियां बटोरने में ही खर्च कर रहे हैं। भारत द्वारा अपने पारंपरिक शुभचिंतकों-ईरान और रूस को बिना सोच-विचार किए तज देने, और हमलावर मुल्कों—अमेरिका व इस्राइल का साथ देने से स्थिति में और ज्यादा बिगाड़ आया है। देश को न केवल तेल और गैस के आयात के लिए, बल्कि उर्वरकों, विशेष रूप से नाइट्रोजन-आधारित यूरिया खरीदने के लिए भी अब कहीं ज्यादा दाम चुकाने पड़ रहे हैं।

इस बात की पूरी संभावना है कि यूरिया उत्पादन में 30 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। चीन के बाद, भारत दुनियाभर में उर्वरकों का दूसरा

सबसे बड़ा आयातक देश है। आपूर्ति में किसी भी मात्रा की कटौती का सीधा मतलब है कृषि उत्पादन में कमी आना और किसानों की आमदनी में गिरावट। देश का 'अन्न भंडार' कहे जाने वाले पंजाब और हरियाणा के कई लोगों के सामने अब अपने अस्तित्व को बचाए रखने का संकट खड़ा हो सकता है। कर्ज चुकाना और भी मुश्किल हो सकता है, जिससे लोगों का मानसिक तनाव और भी बढ़ जाएगा। रसोई गैस सिलेंडरों की अनुपलब्धता के कारण प्रवासी मजदूरों का जो पलायन शुरू हुआ है, अगर उसे समय रहते प्रभावी ढंग से नहीं थामा गया, तो यह समस्या और भी गंभीर रूप ले सकती है; जिसका सीधा असर इन दोनों ही राज्यों में गेहूं की कटाई और धान की रोपाई पर पड़ सकता है। खाद की कमी से अन्न उत्पादन घट जाएगा, जिससे खाने-पीने की चीजों की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। इससे खासकर उन परिवारों के लिए मुश्किलें खड़ी होंगी, जिन्हें सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है। सरकार का अनाज और खाद पर दी जाने वाली सब्सिडी का खर्च बहुत ज्यादा बढ़ जाएगा। साथ ही, आर्थिक विकास की धीमी गति के कारण होने वाले राजस्व के नुकसान के परिणामवश कल्याणकारी योजनाओं और बुनियादी ढांचे पर होने वाले खर्च में कटौती करनी पड़ेगी। मध्यम वर्ग की आय या तो स्थिर हो जाएगी या फिर उसमें गिरावट आएगी। रोजगार योजना में किए गए बदलाव के कारण पहले से ही दिहाड़ी और ठेके पर काम करने वाले मजदूरों के लिए रोजगार के अवसर कम हो चुके हैं। अब उन्हें काम मिलना और भी मुश्किल हो जाएगा। विदेशी संस्थागत निवेशक शेयर और वस्तु बाजारों से अपना पैसा निकाल रहे हैं, जिसके कारण रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। इसका सीधा असर यह होगा कि आयात, विदेश यात्रा और विदेश में पढ़ाई करना और भी महंगा हो जाएगा।

जैसे-जैसे लोगों के जीवन स्तर पर बुरा असर पड़ेगा, आय में असमानता और सामाजिक चिंताएं बढ़ेंगी। वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर बनी यह विकट परिस्थिति, मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर सूबों-पंजाब और हरियाणा के लिए अच्छे संकेत नहीं दे रही है, क्योंकि इन राज्यों में कीमतों में आया झटका ज्यादा खतरनाक है। हरियाणा में सरकार भाजपा की होने के कारण, हो सकता है केंद्र सरकार कुछ अतिरिक्त मदद कर दे और वह इस स्थिति से बेहतर ढंग से निपट पाए; लेकिन पंजाब को अपने हाल पर छोड़ दिया जाएगा।

भारतीय नारी शक्ति को सशक्त करने का वक्त

नरेंद्र मोदी

इक्कीसवीं सदी की विकास यात्रा में भारत एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण की ओर आगे बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में हम अपने लोकतंत्र को और मजबूत करने वाली एक बड़ी पहल के साक्षी बनने वाले हैं। यह ऐसा अवसर है, जब समानता, समावेशन और जनभागीदारी के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता एक नए रूप में सामने आएगी। यह ऐसा समय है, जब हमारी संसद को एक महत्वपूर्ण दायित्व निभाना है। उसे ऐसा कदम आगे बढ़ाना है, जो हमारे लोकतंत्र को अधिक व्यापक एवं और अधिक प्रतिनिधिक बनाए। संसद का यह निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा। लोकसभा और विधानसभाओं संस्थाओं में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करेगा। यह क्षण इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह ऐसे समय में आ रहा है जब देश का वातावरण उत्सव, नवीनता और सकारात्मकता से भरा हुआ है।

आने वाले दिनों में भारत के अलग-अलग हिस्सों में अनेक पर्व मनाए जाएंगे। असम के लोग रोंगाली बिहू मनाने वाले हैं, और ओडिशा में महा बिशुबा पणा संक्रांति का उत्सव मनाया जाएगा। पश्चिम बंगाल में पोइला बैशाख के साथ बंगाली नववर्ष की शुरुआत होगी। केरलम में विशु पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। तमिलनाडु के लोग उत्सुकता से पुथांडु की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में लोगों को वैसाखी के पर्व का इंतजार है। ये पावन पर्व हर किसी में एक नई आशा का संचार करने वाले हैं। भारत और दुनियाभर में इन त्योहारों को मनाने वाले सभी लोगों को मैं हृदय से शुभकामनाएं देता हूं। कामना करता हूं कि ये दिव्य और पावन अवसर हम सभी के जीवन में सुख-समृद्धि लेकर आएं। इसी दौरान 11 अप्रैल से महात्मा फुले की 200वीं जयंती के समारोह भी शुरू हो गये। 14 अप्रैल को हम डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती मनाएंगे। ये तिथियां हमें सामाजिक न्याय व मानवीय गरिमा के उन मूल्यों की भी याद दिलाती हैं, जिन्होंने आधुनिक भारत की दिशा तय की।

इन्हीं प्रेरणादायी अवसरों के बीच, 16 अप्रैल को संसद की ऐतिहासिक बैठक होगी। महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के बाद उसे पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। इसे सिर्फ विधायी प्रक्रिया कहना इसके महत्व को कम आंकना होगा। यह भारतवर्ष की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। हमारी नारीशक्ति देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया है। आज हर सेक्टर में नारी शक्ति मिसाल बनी है। साइंस एंड टेक्नोलॉजी से लेकर एंटरप्रेन्योरशिप तक, खेल के मैदान से लेकर सशस्त्र बलों तक और संगीत से लेकर कला के क्षेत्र तक महिलाएं अपनी सशक्त पहचान बना रही हैं। हमारी माताएं-बहनें और बेटियां देश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

हमारे पारंपरिक मूल्य बताते हैं कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब माताओं-बहनों को आगे बढ़ने के ज्यादा से ज्यादा मौके मिलते हैं। इसी सोच के साथ बीते 11 वर्षों में महिला सशक्तीकरण के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार करने पर जोर दिया गया है, इसके लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। शिक्षा तक बढ़ती पहुंच, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, वित्तीय समावेशन में बढ़ोतरी और बुनियादी सुविधाओं तक बेहतर पहुंच ने आर्थिक और सामाजिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी को मजबूती दी है। लेकिन ये भी सच्चाई है कि इन सारे प्रयासों के बावजूद राजनीति और विधायी संस्थाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व समाज में उनकी भूमिका के अनुरूप नहीं रहा है। इस कमी को अब दूर किया जाना चाहिए, क्योंकि जब महिलाएं प्रशासन चलाने और प्रशासनिक निर्णयों में हिस्सा लेती हैं तो उनका अनुभव और विजन बहुत काम आता है। इससे चर्चा तो समृद्ध होती ही है, क्वालिटी ऑफ गवर्नेंस में सुधार भी होता है। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल प्रतिनिधित्व का विषय नहीं है, ये हमारे लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील, अधिक संतुलित और अधिक उत्तरदायी बनाने का प्रयास है। पिछले कई दशकों में लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं को उनका उचित स्थान दिलाने के निरंतर प्रयास हुए हैं। समितियां गठित की गईं, विधेयकों के मसौदे प्रस्तुत किए गए, लेकिन वे कभी पारित नहीं हो सके। फिर भी, इस बात पर व्यापक सहमति रही है कि विधायी निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। सितंबर, 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था।

यह मेरे जीवन के सबसे विशेष अवसरों में से एक रहा है। अब जरूरत है कि 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाएं। महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने का यह अवसर हमारे संविधान की मूल भावना के साथ गहराई से जुड़ा है। हमारे संविधान निर्माताओं ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी, जहां समानता न केवल संविधान में निहित हो, बल्कि उसे व्यवहार में भी लाया जाए। विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करना, उस परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह एक ऐसे समाज के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसमें राष्ट्र का भविष्य तय करने में हर नागरिक की समान भूमिका हो। अब इस निर्णय को और टाला नहीं जा सकता। दशकों से इसकी आवश्यकता को स्वीकार किया गया है।

आंखों के नीचे काले घेरे

हटाने के लिए आजमाएं ये घरेलू नुस्खे

आंखों के नीचे काले घेरे आज की पीढ़ी की सबसे आम और सबसे अनदेखी समस्या हैं। देर रात तक मोबाइल, नींद की कमी, तनाव, स्क्रीन टाइम, गलत खानपान और बढ़ती उम्र आदि ये सभी मिलकर चेहरे की सबसे नाजुक त्वचा पर असर डालते हैं। महंगे क्रीम और इंस्टेंट पैच का असर कुछ देर के लिए हो सकता है लेकिन इनका लंबे समय तक सेवन त्वचा के लिए नुकसानदायक भी होता है। महंगे प्रोडक्ट्स के बजाय नेचुरल तरीके से काले घेरों को हटाने के लिए दादी-नानी के घरेलू नुस्खों को अपनाएं, जो आज भी कारगर हैं। ध्यान रखें कि इन नुस्खों को सही तरीके और नियमितता से अपनाया जाना चाहिए। आंखों के नीचे की त्वचा बेहद पतली होती है। यहां रक्त संचार कमजोर होने पर डार्क सर्कल्स उभरते हैं। ऐसे में प्राकृतिक चीज़ें, जो त्वचा को ठंडक दें, पोषण पहुंचाएं और ब्लड सर्कुलेशन बेहतर करें, सबसे असरदार साबित होती हैं।

गुलाब जल

अक्सर कुछ लोग चेहरे पर काले धब्बों की समस्या का सामना करते हैं। ऐसा कई बार कील-मुंहासों के कारण देखने को मिलता है। ये त्वचा के लिए टॉनिक का काम करता है। गुलाब जल त्वचा को रिलैक्स करता है और रक्त संचार बढ़ाता है। रात को सोने से पहले गुलाब जल में भीगे कॉटन पैड 10 मिनट रखें। इससे आंखों की थकान और काले घेरे दोनों में राहत मिलती है। इसके अलावा दिन में कम से कम 8- 10 गिलास पानी पिएं।

बादाम तेल

बादाम खाने के कई फायदे होते हैं लेकिन बादाम का तेल भी हमें कई लाभ देता है। बादाम का तेल पोषण का खजाना माना जाता है। विटामिन E से भरपूर बादाम तेल आंखों की नाजुक त्वचा को मजबूत करता है। रात में हल्के हाथों से मसाज करें। त्वचा कोमल होती है और डार्क सर्कल्स धीरे-धीरे हल्के पड़ते हैं। बादाम में 44 प्रतिशत तेल मौजूद होता है जिसे कोल्ड प्रेस करके निकाला जाता है।

टी बैग

ये तुरंत असर दिखाने वाला उपाय है। ग्रीन टी या ब्लैक टी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स सूजन कम करते हैं। उपयोग किए हुए टी बैग ठंडे कर आंखों पर रखें। डार्क सर्कल्स और पफीनेस दोनों में राहत देता है।

ठंडा दूध

चेहरे पर दूध लगाने से त्वचा को कई फायदे मिलते हैं। दूध प्राकृतिक क्लीनजर का काम करता है। दूध त्वचा को पोषण देता है और रंगत सुधारता है। ठंडे दूध में कॉटन डुबोकर आंखों के नीचे लगाएं। त्वचा सॉफ्ट और ब्राइट दिखती है। नमक और जंक फूड कम करें। या फिर यह धूप के संपर्क में अधिक समय बिताने या पिगमेंटेशन के कारण भी हो सकता है। चेहरे के काले धब्बों से छुटकारा पाने के लिए लोग तरह-तरह के घरेलु नुस्खे ट्राई करते हैं साथ ही कुछ लोग महंगी-महंगी क्रीम और अन्य स्किन केयर प्रोडक्ट्स का भी प्रयोग करते हैं।

कच्चा आलू

आलू प्राकृतिक ब्लीच का काम करता है। आलू में मौजूद एंज़ाइम्स डार्क सर्कल्स हल्के करने में मदद करते हैं। आलू का रस निकालकर कॉटन से आंखों के नीचे लगाएं। इससे रंगत में सुधार और सूजन में कमी आती है। साथ ही ये भी ध्यान रखें कि नुस्खे के साथ लाइफस्टाइल को सही रखना होता है। रोज 7-8 घंटे की नींद लें। स्क्रीन टाइम कम करें।

हंसना मना है

लड़का- कल से हम कहीं और मिलंगे, लड़की - क्यूं? लड़का - बड़े कमीने है तेरी गली के बच्चे, लड़की - क्या हुआ? लड़का - कुत्ते पीछे लगाकर कहते है, जब प्यार किया तो डरना क्या!

एक मक्खी गंजे के सर पर बैठी थी, दुसरी ने कहा वाह.! क्या घर मिला है तुझे। पहली मक्खी : नहीं रे, अभी तो सिर्फ प्लॉट खरीदा है..!

अपना बच्चा रोये तो दिल में दर्द होता है, और दुसरे का रोये तो सिर में। अपनी बीवी रोये तो सिर में दर्द होता है, और दुसरे की रोये तो दिल में।

एक बार इंजीनियरिंग के सभी प्रोफेसर को एक प्लेन में बैठाया गया। फिर अनाउंसमेंट हुई, ये प्लेन, आपके स्टूडेंट्स ने बनाया है सब प्रोफेसर उतर गए पर प्रिंसिपल बैठा रहा। लोगों ने पूछा- आपको डर नहीं लगता? प्रिंसिपल- मुझे अपने स्टूडेंट्स पर पूरा भरोसा है। ये स्टार्ट ही नहीं होगी।

दुकानदार : बताइए जनाब क्या चाहिए? राहुल : अपने होने वाली बीवी के कुत्ते के लिए केक चाहिए, दुकानदार : यहीं खाओगे या पैक कर दूं...

कहानी | महिलामुख हाथी

राजा चन्द्रसेन के अस्तबल में एक हाथी रहता था। उसका नाम था महिला मुख। हाथी बहुत ही समझदार, आज्ञाकारी और दयालु था। उस राज्य के सभी निवासी महिला मुख से बहुत प्रसन्न रहते थे। राजा को भी महिला मुख पर बहुत गर्व था। कुछ समय बाद महिला मुख के अस्तबल के बाहर चोरों ने अपनी झोपड़ी बना ली। चोर दिनभर लूट-पाट और मार-पीट करते और रात को अपने अड्डे पर आकर अपनी बहादुरी का बखान करते थे। उनकी बातें सुनकर लगता था कि वो सभी चोर बहुत खतरनाक थे। हाथी उन चोरों की बात सुनता रहता था। महिला मुख पर चोरों की बातों का असर होने लगा। महिला मुख को लगने लगा कि दूसरों पर अत्याचार करना ही असली वीरता है। इसलिए अब वो भी चोरों की तरह अत्याचार करेगा। सबसे पहले महिला मुख ने अपने महावत को पटक-पटक कर मार डाला। महिला मुख किसी के काबू में नहीं आ रहा था। राजा भी महिला मुख का ये रूप देखकर चिंतित हो रहे थे। फिर राजा ने महिला मुख के लिए नए महावत को बुलाया। उस महावत को भी महिला मुख ने मार गिराया। महिला मुख के इस व्यवहार को समझ नहीं आ रहा था। तब राजा ने वैद्य को महिला मुख के इलाज के लिए नियुक्त किया। वैद्य जी ने राजा की बात को गंभीरता से लिया और महिलामुख की कड़ी निगरानी शुरू की। जल्द ही वैद्य जी को पता चल गया कि महिला मुख में ये परिवर्तन चोरों के कारण हुआ है। वैद्य जी ने राजा को महिला मुख के व्यवहार में परिवर्तन का कारण बताया और कहा कि चोरों के अड्डे पर लगातार सत्संग का आयोजन कराया जाए, ताकि महिला मुख का व्यवहार पहले की तरह हो सके। राजा ने ऐसा ही किया। अब अस्तबल के बाहर रोज सत्संग का आयोजन होने लगा। धीरे-धीरे महिलामुख की दिमागी हालत सुधरने लगी। कुछ ही दिनों में महिला मुख हाथी पहले जैसा उदार और दयालु बन गया। अपने पसंदीदा हाथी के ठीक हो जाने पर राजा चंद्रसेन बहुत प्रसन्न हुए। चन्द्रसेन ने वैद्य जी की प्रशंसा अपनी सभा में की और उन्हें बहुत से उपहार भी प्रदान किए।

7 अंतर खोजें

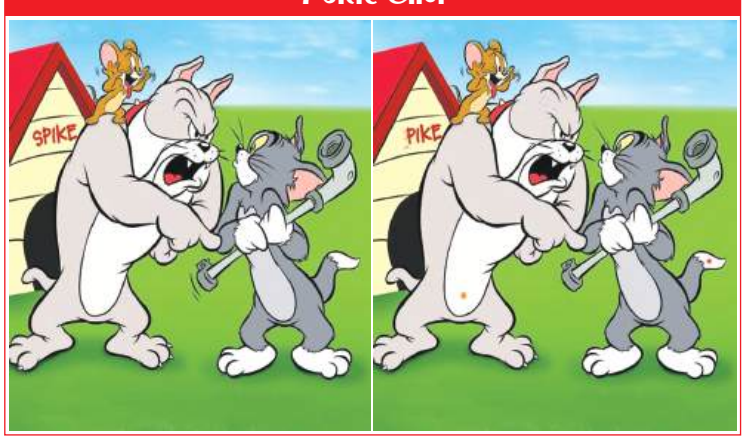

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। समय अनुकूल है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

वृषभ

परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जल्दबाजी न करें। विवाद को बढ़ावा न दें।

मिथुन

आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

कर्क

आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

सिंह

नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। दुष्टजनों से सावधान रहें। प्रमाद न करें। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

कन्या

बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय होगी। फालतू खर्च होगा।

तुला

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी।

वृश्चिक

स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

धनु

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

मकर

मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है।

कुम्भ

व्यापार लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। प्रमाद न करें। मान-सम्मान मिलेगा।

मीन

उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंगे। कार्य में सफलता मिलेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

हालीवुड | मन की बात

जन नायकन के लीक होने पर पूजा हेगड़े की भावुक अपील

मशहूर एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जन नायकन' के फुटेज के इंटरनेट पर लीक होने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। फिल्म में विजय और पूजा हेगड़े लीड रोल में हैं। पूजा ने कहा कि फिल्म को अपने सामने लीक होते देखना बहुत बुरा है। साथ ही उन्होंने दर्शकों से अपील की कि वे फिल्म का इंतजार करें और इसे सिनेमाघरों में बड़े पर्दे पर देखें। पूजा हेगड़े ने बयान जारी करते हुए कहा, मेरे प्यारे दर्शकों, एक फिल्म अनगिनत घंटों की मेहनत, क्रिएटिव रिस्क और पूरी टीम की निजी कुर्बानियों और मेहनत का नतीजा होती है। हमारी फिल्म को ऑनलाइन लीक होते देखना बहुत दुखद है। इसे लीक होते और गैर-कानूनी तरीके से शेयर होते देखना बहुत मुश्किल है। इससे सिर्फ कमाई का नुकसान नहीं होता, बल्कि हर कलाकार और टेक्नीशियन की मेहनत और इज्जत छीन ली जाती है। हम सभी इस बात के हकदार हैं कि विजय की आखिरी फिल्म को बड़े पर्दे पर सही तरीके से देखें और उसका जश्न मनाएं। उन्होंने दर्शकों से अनुरोध किया, चलिए, थोड़ा इंतजार करते हैं। फिल्म सही समय पर रिलीज होगी। पायरेसी को बढ़ावा न दें। इसी तरह सिनेमा और कला जिंदा रहेंगे। वहीं, फिल्म के प्रोडक्शन हाउस केवीएन प्रोडक्शंस ने भी बयान जारी किया। प्रोड्यूसर्स ने कहा कि फिल्म के कुछ सीन और क्लिप गैर-कानूनी तरीके से लीक हो गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि व्हाट्सएप, टेलीग्राम, इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब, टोरेंट या किसी भी माध्यम से लीक कंटेंट को डाउनलोड करना, देखना, शेयर करना या स्टोर करना अपराध है और कॉपीराइट कानून का उल्लंघन है। प्रोडक्शन हाउस ने कहा, हमने जांच शुरू कर दी है। फोरेंसिक जांच के साथ लीक में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है।

अलविदा सुरों की मल्लिका

मशहूर गायिका आशा भोसले अब इस दुनिया में नहीं रहीं। 92 साल की गायिका को 11 अप्रैल 2026 को अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पहले खबर आई कि आशा भोसले को कार्डियक अरेस्ट के चलते भर्ती कराया गया है, लेकिन बाद में उनकी पोती जनाई भोसले ने खुलासा किया कि उनकी दादी को चेस्ट इन्फेक्शन था। 12 अप्रैल को आशा भोसले का निधन हो गया। ब्रीच कैंडी अस्पताल के डॉक्टर्स का कहना है कि आशा ताई का मल्टीपल ऑर्गन फेलियर के चलते निधन हुआ।

पीएम मोदी ने जताया दुख

आशा भोसले के निधन से पीएम नरेंद्र मोदी को भी झटका लगा है। उन्होंने श्रद्धांजलि देते हुए एक्स पर लिखा, भारत की सबसे जानी-मानी और बहुमुखी आवाज़ों में से एक, श्रीमती आशा भोसले जी के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ है। दशकों तक फैली उनकी अनोखी संगीत यात्रा ने हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया है

और दुनिया भर में अनगिनत लोगों के दिलों को छुआ है। उन्होंने आगे कहा, दिल को छू लेने वाली धुनों से लेकर जोशीली रचनाओं तक, उनकी आवाज़ में एक कालातीत चमक थी। उनके साथ हुई बातचीत की यादों को मैं हमेशा संजोकर रखूंगा। उनके परिवार, प्रशंसकों और संगीत प्रेमियों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।

अमित शाह ने दी श्रद्धांजलि

आशा भोसले के निधन पर अमित शाह ने ट्वीट कर दुख जताया है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, आज हर भारतीय के लिए और

विशेष रूप से मेरे जैसे हर संगीत प्रेमी के लिए एक दुखद दिन है, क्योंकि हमारी प्यारी आशा भोसले जी अब हमारे बीच नहीं रहीं। आशा ताई ने न केवल अपनी मधुर आवाज और बेजोड़ प्रतिभा से अपनी एक अनोखी पहचान बनाई, बल्कि अपनी धुनों के माध्यम से भारतीय संगीत को और भी समृद्ध किया। अमित शाह ने आगे कहा, संगीत की हर स्टाइल में ढल जाने की उनकी असाधारण क्षमता ने हर किसी का दिल जीत लिया।

आशा भोसलें के निधन पर इमोशनल हुई प्रियंका

बॉलीवुड अदाकारा प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर इमोशनल पोस्ट लिखा है और बताया है कि उनकी जनरेशन के लिए आशा जी हमेशा लीजेंड

ही रहेंगी। प्रियंका चोपड़ा के अनुसार, कुछ लोग ऐसे होते हैं, जिनके जाने पर ऐसा लगता है कि आपके बचपन की कोई अनमोल चीज चली गई है। ये लोग आपकी यादों का हिस्सा होते हैं और आपके घरवालों की तरह होते हैं। आशा जी हमेशा मेरे लिए वैसी ही रहेंगी।

राम गोपाल वर्मा ने दी श्रद्धांजलि

राम गोपाल वर्मा ने इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में आशा भोसले के निधन पर दुख जताया है। आशा ताई ने राम गोपाल की फिल्म कंपनी के गाने खल्लास को अपनी आवाज दी थी। डायरेक्टर ने कहा कि इत्तेफाक से आज ही फिल्म की 24वीं सालगिरह है। राम गोपाल ने कहा कि आशा भोसले एक दौर की धड़कन थीं।

रवीना टंडन का टूटा दिल

आशा भोसले के निधन पर दुख जताते हुए रवीना टंडन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, आज हमने जिंदगी में एक ऐसा नुकसान सहा है जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती। यह संगीत जगत के लिए सबसे गहरा आघात है और मेरे लिए, मेरे बचपन से लेकर आज तक के मेरे पूरे अस्तित्व के लिए, यह एक अपूरणीय क्षति है। मैं उनकी सबसे बड़ी फैन रही हूं। उनके जैसा कोई नहीं था। सचमुच, कोई नहीं। आशा जी आप अपने पीछे संगीत और सुरों की एक ऐसी विरासत छोड़ गई हैं, जिसकी तुलना दुनिया में कोई नहीं कर सकता।

भावुक हुए शाहरुख खान

शाह रुख खान ने आशा भोसले के निधन पर दुख जाहिर किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, आशा ताई के निधन के बारे में जानकर सचमुच

बहुत दुख हुआ। उनकी आवाज भारतीय सिनेमा के मुख्य स्तंभों में से एक रही है और आने वाली सदियों तक पूरी दुनिया में गूंजती रहेगी। उनकी प्रतिभा कई लोगों से भी ज्यादा समय तक जीवित रहेगी। उन्होंने हमेशा मुझ पर अपना आशीर्वाद और प्यार बरसाया और मुझे उनकी बहुत याद आएगी। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे, आशा ताई। मैं आपसे बहुत प्यार करता हूं।

अजब-गजब | इस देश से मानवता को शर्मसार कर देने वाला सच आ रहा है सामने

यहां के अस्पतालों के प्रसूति वार्ड में मात्र 10 से 14 साल की नाबालिग बच्चियां बच्चे को दे रही हैं जन्म

जब पूरी दुनिया तेल की कीमतों, युद्धों और आर्थिक संकटों पर चर्चा कर रही है, तब दक्षिण अफ्रीका (साउथ अफ्रीका) में एक ऐसा हृदयविदारक सच सामने आ रहा है जो मानवता को शर्मसार कर देता है। यहां के अस्पतालों के प्रसूति वार्ड में मात्र 10 से 14 साल की नाबालिग बच्चियां बच्चे जन्म दे रही हैं।
यह नजारा वहां इतना आम होता जा रहा है कि समाज और सरकार दोनों चिंतित हैं। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में दक्षिण अफ्रीका में 10 से 14 साल की उम्र की 2,103 लड़कियों ने बच्चे जन्म दिए। कुल मिलाकर 19 साल से कम उम्र की 98,351 लड़कियों ने प्रसव किया। इनमें से 10-14 साल की उम्र वाली लड़कियों की संख्या 2,103 है, जबकि 15-19 साल की उम्र वाली लड़कियों की संख्या बहुत ज्यादा है। जब पूरी दुनिया तेल की कीमतों, युद्धों और आर्थिक संकटों पर चर्चा कर रही है, तब दक्षिण अफ्रीका (साउथ अफ्रीका) में एक ऐसा हृदयविदारक सच सामने आ रहा है जो मानवता को शर्मसार कर देता है। यहां के अस्पतालों के प्रसूति वार्ड में मात्र 10 से 14 साल की नाबालिग बच्चियां बच्चे जन्म दे रही हैं।
यह नजारा वहां इतना आम होता जा रहा है कि

समाज और सरकार दोनों चिंतित हैं। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में दक्षिण अफ्रीका में 10 से 14 साल की उम्र की 2,103 लड़कियों ने बच्चे जन्म दिए। कुल मिलाकर 19 साल से कम उम्र की 98,351 लड़कियों ने प्रसव किया। इनमें से 10-14 साल की उम्र वाली लड़कियों की संख्या 2,103 है, जबकि 15-19 साल की उम्र वाली लड़कियों की संख्या बहुत ज्यादा है।

गरीबी और सामाजिक असमानता
शिक्षा की कमी और स्कूल ड्रॉपआउट
यौन शिक्षा और परिवार नियोजन की पहुंच न होना
बाल विवाह और सांस्कृतिक दबाव
घरेलू हिंसा और यौन शोषण
COVID-19 के बाद स्कूल और स्वास्थ्य सेवाओं में व्यवधान

इन छोटी मांओं पर क्या असर पड़ता है?

शारीरिक रूप से इन लड़कियों का शरीर गर्भावस्था और प्रसव के लिए तैयार नहीं होता। इससे मां और बच्चे दोनों को खतरा रहता है। कम वजन वाले बच्चे, प्रसव के दौरान जटिलताएं और लंबे समय तक स्वास्थ्य समस्याएं देखने को मिलती है। शिक्षा छूट जाती है, भविष्य प्रभावित होता है और गरीबी का चक्र जारी रहता है। कई मामलों में ये बच्चियां खुद बच्चे की देखभाल नहीं कर पाती। दक्षिण अफ्रीकी सरकार और स्वास्थ्य विभाग इस समस्या को गंभीरता से ले रहे हैं। डिप्टी मिनिस्टर एंड्रीज नेल ने कहा कि ये बच्चियां हैं, जिन्हें स्कूल जाना चाहिए, दोस्त बनाना चाहिए, खेलना चाहिए। ना कि मां बनना। सरकार स्कूलों में यौन शिक्षा, कंडोम वितरण और जागरूकता अभियान चला रही है। लेकिन आंकड़े बताते हैं कि प्रयास अभी पर्याप्त नहीं हैं।

इस देश में चली थी दुनिया की पहली ट्रेन पहले दिन तय की थी करीब 19 किमी की दूरी

आज के दौर में ट्रेनें हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुकी हैं। शहरों को जोड़ने से लेकर लंबी दूरी तय करने तक, रेलवे ने सफर को आसान और आरामदायक बना दिया है। भारत हो या दुनिया का कोई भी कोना, रेल नेटवर्क हर जगह तेजी से फैल चुका है। खासकर भारत में, जहां रेलवे को आम आदमी की लाइफलाइन कहा जाता है, हर दिन करोड़ों लोग ट्रेन से सफर करते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इस पूरी व्यवस्था की शुरुआत कहां से हुई? दुनिया की पहली ट्रेन कब चली थी और उसका नाम क्या था? आइए, इस रोचक इतिहास को आसान भाषा में समझते हैं। दुनिया की पहली यात्री ट्रेन 27 सितंबर 1825 को इंग्लैंड में चलाई गई थी। यह ऐतिहासिक ट्रेन स्टॉकटन और डार्लिंगटन के बीच चली थी। इस ट्रेन का नाम था लोकोमोशन नंबर 1, जिसने पहली बार लोगों को रेल के जरिए यात्रा करने का मौका दिया। यह सिर्फ एक ट्रेन नहीं थी, बल्कि आधुनिक परिवहन की शुरुआत थी। इस ऐतिहासिक ट्रेन को मशहूर इंजीनियर जॉर्ज स्टीफेंसन ने डिजाइन किया था। वहीं इसका निर्माण रॉबर्ट स्टीफेंसन एंड कंपनी ने किया था। यह ट्रेन भाप (स्टीम) इंजन से चलती थी, जो उस समय के लिए एक क्रांतिकारी तकनीक थी। यही तकनीक आगे चलकर पूरी दुनिया में रेलवे के विकास की नींव बनी। यह ट्रेन स्टॉकटन से डार्लिंगटन तक करीब 12 मील (लगभग 19 किलोमीटर) की दूरी तय करती थी। उस समय इसकी गति करीब 15 मील प्रति घंटा थी, जो आज के हिसाब से भले ही कम लगे, लेकिन उस दौर में यह बहुत बड़ी उपलब्धि थी। इस ट्रेन में लगभग 450 से 600 यात्री सवार थे। दिलचस्प बात यह है कि ट्रेन को चलाने से पहले ट्रैक पर लाने के लिए घोड़ों और रस्सियों की मदद ली गई थी। जब यह ट्रेन पहली बार चली, तो इसे देखने के लिए हजारों लोग इकट्ठा हो गए थे। लोकोमोशन नंबर 1 सिर्फ इंग्लैंड तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने पूरी दुनिया को रेलवे की ताकत से परिचित कराया। स्टॉकटन और डार्लिंगटन रेलवे दुनिया की पहली सार्वजनिक रेलवे बनी, जिसने भाप इंजनों का इस्तेमाल किया। इसके बाद कई देशों ने रेलवे नेटवर्क विकसित करना शुरू किया और धीरे-धीरे ट्रेनें दुनिया के हर कोने तक पहुंच गईं।

भाजपा जानबूझ कर टाल रही जाति जनगणना : जयराम

» सरकार के बदलते बयानों पर कांग्रेस महासचिव ने घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मोदी सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जाति जनगणना कराने से बच रही है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए सरकार के पिछले कुछ वर्षों के बदलते रुख को उजागर करते हुए इसे देश को गुमराह करने वाला बताया। जयराम रमेश ने सरकार के पुराने फैसलों का हवाला देते हुए लिखा, जुलाई 21 में, सरकार ने लोकसभा में कहा था कि एससी और एसटी के अलावा अन्य जातियों की गणना नहीं की जाएगी। सितंबर 2021 में, सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर इसे एक नीतिगत निर्णय बताया गया था। अप्रैल 24 में, प्रधानमंत्री ने जाति जनगणना की मांग को अर्बन नक्सल मानसिकता करार दिया था।

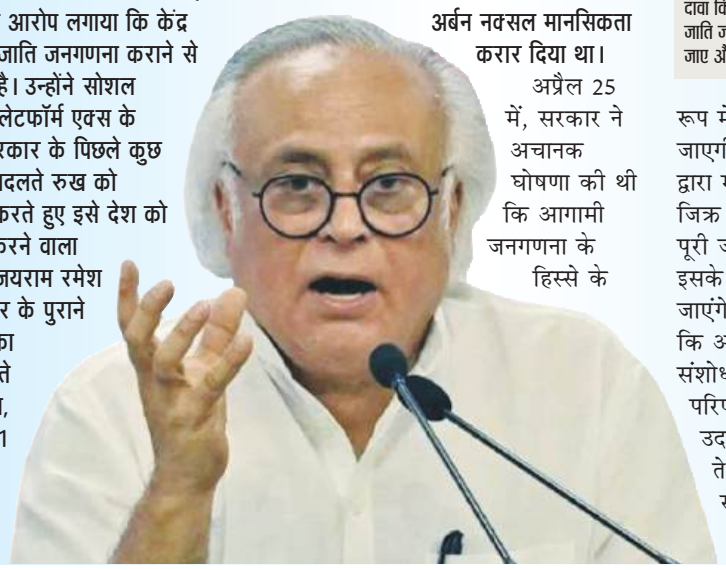

अप्रैल 25 में, सरकार ने अचानक घोषणा की थी कि आगामी जनगणना के हिस्से के रूप में जाति जनगणना कराई जाएगी।कांग्रेस नेता ने रजिस्ट्रार जनरल द्वारा मार्च 26 में दिए गए बयान का जिक्र किया, जिसमें कहा गया था कि पूरी जनगणना डिजिटल होने के कारण इसके परिणाम 27 तक उपलब्ध हो जाएंगे। जयराम रमेश ने सवाल उठाया कि अब सरकार अनुच्छेद 334में संशोधन कर यह क्यों कह रही है कि परिणामों में कई साल लगेंगे? उन्होंने उदाहरण दिया कि बिहार और तेलंगाना जैसे राज्यों ने छह महीने से भी कम समय में जातिगत सर्वेक्षण पूरा कर लिया था।

प्रधानमंत्री देश में भ्रम फैला रहे हैं

जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री देश में भ्रम फैला रहे हैं और सितंबर 2023 में सर्वसम्मति से पारित प्रावधानों में बदलाव करना चाहते हैं। उन्होंने दावा किया कि सरकार का छिपा हुआ एजेंडा यही है कि जाति जनगणना को कभी धरातल पर न उतरने दिया जाए और इसे तकनीकी कारणों से लटकाए रखा जाए।

पीएम मोदी जितनी बार तमिलनाडु आएंगे डीएमके को उतना फायदा

» डीएमके सांसद थंगापंडियन ने दी भाजपा को चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। डीएमके की सांसद तमिलाची थंगापंडियन विधानसभा चुनावों से पहले गठबंधन के उम्मीदवारों के समर्थन में तमिलनाडु भर में सक्रिय रूप से प्रचार कर रही हैं। उन्होंने पिछले पांच वर्षों में डीएमके सरकार के मजबूत प्रदर्शन पर प्रकाश डाला और वेलाचेरी जैसे क्षेत्रों में हुए सुधारों का उदाहरण दिया, जो पहले भारी बारिश से प्रभावित रहते थे। उन्होंने कहा कि आज मैं गठबंधन के उम्मीदवार जेएमएच हसन मौलाना का समर्थन करने के लिए वेलाचेरी निर्वाचन क्षेत्र में आई हूं। हमारी सरकार ने पिछले पांच वर्षों में अच्छा काम किया है, और भारी बारिश से प्रभावित वेलाचेरी में वर्तमान सरकार और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व में काफी सुधार हुआ है। सांसद ने कहा कि यहां जल निकासी की कुछ परियोजनाएं बहुत ही शानदार ढंग से पूरी की जा चुकी हैं।

हमने यहां कई विकास कार्य किए हैं, और वेलाचेरी की लगभग 90 प्रतिशत समस्याओं का समाधान हो चुका है। डीएमके के चुनावी वादों के बारे में उन्होंने कहा कि पार्टी ने 500 वादे किए थे जिनमें से 405 पूरे किए गए, लेकिन आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के सहयोग न मिलने के कारण बाकी वादे पूरे नहीं हो सके। उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा और एआईएडीएमके 26 में तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में एक भी सीट जीतने में असफल रहेंगी। उन्होंने पार्टी के शासन मॉडल का जिक्र करते हुए कहा कि डीएमके सरकार की कई प्रमुख कल्याणकारी पहलों को राज्य से बाहर भी पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने 13 योजनाओं का जिम्मा लिया है, जिन्हें द्रविड़ मॉडल सरकार द्वारा लागू किया जा रहा है। आप आरटीआई के माध्यम से जांच कर सकते हैं कि द्रविड़ मॉडल सरकार द्वारा 13 प्रमुख कार्यक्रम कार्यान्वित किए गए हैं। महिला छात्रावास योजना और नाश्ता योजना को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनाया गया है। केंद्र सरकार हमारे कार्यक्रमों की नकल कर रही है, और लोग यह बात अच्छी तरह जानते हैं।

वोटर्स का नाम काटकर अधिकारों को छीना : प्रशांत भूषण

» बंगाल में 91 लाख मतदाताओं के नाम हटाए जाने पर चुनाव आयोग पर बरसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जाने-माने वकील प्रशांत भूषण ने पश्चिम बंगाल में एसआईआर के तहत बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने पर चिंता जताई और कहा कि इसके बाद प्रभावित लोगों से दूसरे अधिकार भी छीने जा सकते हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, बंगाल में एसआईआर के बाद करीब 91 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। भूषण ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि इन घटनाक्रमों से व्यापक स्तर पर लोगों को मताधिकार से वंचित करने के प्रयास का संकेत मिलता है। उन्होंने कहा कि मतदान का अधिकार सभी अन्य लोकतांत्रिक अधिकारों की आधारशिला है।

उन्होंने कहा, यदि मतदान का अधिकार छीन लिया जाता है, तो इससे अन्य अधिकारों के कमजोर या समाप्त होने का रास्ता खुल जाएगा। राजनीतिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव ने आगाह किया कि एसआईआर प्रक्रिया के जरिये लाखों मतदाताओं के नाम हटाए जाने का असर केवल मताधिकार से वंचित करने तक सीमित नहीं रह सकता, बल्कि अन्य पहचान-आधारित अधिकारों पर भी पड़ सकता है। उन्होंने दावा किया कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, वे अन्य पहचान प्रणालियों में जांच के दायरे में आने वाले शुरुआती लोग हो सकते हैं। यादव ने कहा, आज यह मतदाता सूची है। कल आधार जैसे पहचान दस्तावेजों की प्रामाणिकता पर सवाल उठाए जा सकते हैं।

भाजपा का 3 दिवसीय विशेष सत्र के लिए व्हिप जारी

» महिला आरक्षण कानून में संशोधन और लोकसभा सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव रखेगी मोदी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 16 अप्रैल से शुरू हो रहे तीन दिवसीय विशेष सत्र में भाजपा सरकार महिला आरक्षण कानून में संशोधन और लोकसभा सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव रखेगी, जिसके लिए तीन लाइन का व्हिप जारी किया गया है, वहीं विपक्ष सर्वदलीय बैठक की मांग कर रहा है। केंद्र सरकार ने 16 से 18 अप्रैल 26 तक संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाया है। इस सत्र की महत्ता को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने अपने सभी लोकसभा और राज्यसभा सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी किया है।

इसके तहत सभी सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों को इन तीन दिनों के दौरान सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है। इस विशेष सत्र का

मुख्य एजेंडा महिला आरक्षण कानून (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) में महत्वपूर्ण संशोधन करना है। सरकार का लक्ष्य 029 के आम चुनाव से पहले इस आरक्षण को लागू करना है। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, लोकसभा की कुल सीटों की संख्या वर्तमान 543 से बढ़ाकर 816 करने का प्रस्ताव है। बढ़ी हुई सीटों में से करीब 273 सीटें (कुल सीटों का एक-तिहाई) महिलाओं के लिए आरक्षित की जा सकती हैं। आरक्षण को जल्द लागू करने के लिए सरकार 027 की जनगणना का इंतजार करने के बजाय 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर परिसीमन कराने की योजना बना रही है। पार्टी ने अपने सांसदों को भेजे संदेश में स्पष्ट किया है कि सत्र के दौरान किसी को भी अवकाश नहीं दिया जाएगा। सांसदों से व्हिप का सख्ती से पालन करने और चर्चा के दौरान सदन में डटे रहने को कहा गया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इन प्रस्तावों को पहले ही मंजूरी दे दी है, और अब इन्हें कानून का रूप देने के लिए संसद में पेश किया जाएगा।

खरगे ने की सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग

दूसरी ओर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने बिना विश्वास में लिए यह सत्र बुलाया है। सांसद शशि थरूर ने भी चिंता जताई है कि बिना उचित विचार-विमर्श के परिसीमन जैसे बड़े कदम उठाने से राज्यों के लोकतांत्रिक संतुलन पर असर पड़ सकता है। हालांकि, सरकार इस ऐतिहासिक कानून को 2029 तक धरातल पर उतारने के लिए पूरी तरह तैयार नजर आ रही है।

मतदान के आंकड़ों में देरी पर सतीशन ने चुनाव आयोग को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा चुनाव के संपन्न होने के तीन दिन बाद भी मतदान के विस्तृत आंकड़े सार्वजनिक न होने पर विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन ने निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर आधिकारिक और प्रमाणित डेटा तत्काल प्रकाशित करने की मांग की है।

सतीशन ने बताया कि मतदान समाप्त होने के तीन दिन बीत जाने के बावजूद, आधिकारिक और प्रमाणित आंकड़े अभी तक आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। उन्होंने 12 अप्रैल के पत्र में कहा कि क्षेत्रवार मतदान डेटा, मतदान प्रतिशत और डाक मतपत्रों के आंकड़े अभी तक उपलब्ध नहीं हैं। सतीशन ने कहा कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने, जनता की निगरानी सुनिश्चित करने और चुनावी प्रक्रिया में विश्वास बनाए रखने के लिए ऐसी जानकारी का शीघ्र प्रकाशन अत्यंत महत्वपूर्ण है।

हैदराबाद के सामने रॉयल्स को रोकने की चुनौती

» टूर्नामेंट में अजेय राजस्थान से सनराइजर्स का मुकाबला आज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। राजस्थान रॉयल्स की टीम आईपीएल में दमदार प्रदर्शन कर रही और टूर्नामेंट में अजेय बनी हुई है। राजस्थान का सामना आज सनराइजर्स हैदराबाद से होगा जिसका प्रदर्शन अब तक मिलाजुला रहा है। दोनों टीमों का मजबूत पक्ष उसकी सलामी जोड़ियां हैं। राजस्थान की नजरें शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत करने पर होंगी, जबकि सनराइजर्स की टीम वापसी करना चाहेगी। रॉयल्स ने मौजूदा सत्र में लगभग हर विभाग में अपना दबदबा दिखाया है।

टीम के पास संतुलित गेंदबाजी आक्रमण है। जायसवाल और सूर्यवंशी की निडर बल्लेबाजी ने उन्हें मौजूदा सत्र की सबसे खतरनाक जोड़ियों में से एक बना दिया है। तीसरे नंबर पर ध्रुव जुरेल ने स्थिरता दी है और यह सुनिश्चित किया है कि टीम लय नहीं खोए। इसके उलट सनराइजर्स हैदराबाद का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव वाला रहा है। टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रही है। अपने चार में से तीन मैच हारने के बाद पूर्व चैंपियन टीम छठे स्थान पर हैं। टीम अपनी पुरानी रणनीति पर चल रही है। वे तेज शुरुआत के लिए ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की तूफानी जोड़ी पर निर्भर हैं लेकिन दोनों ही लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। कार्यवाहक कप्तान ईशान किशन भी अपनी शुरुआती पारी के बाद खराब फॉर्म में हैं। रन बनाने की जिम्मेदारी अधिकतर समय हेनरिक क्लासेन ने निभाई है जिन्होंने चार पारियों में 184 रन बनाए हैं और सनराइजर्स को कई मौकों पर वापसी दिलाने में सफल रहे हैं। गेंदबाजी हालांकि टीम का कमजोर पक्ष है और नियमित कप्तान पैट कमिंस की गैरमौजूदगी ने टीम की परेशानियों को बढ़ा दिया है।

लखनऊ को गुजरात ने सात विकेट से हराया

लखनऊ। शुभमन गिल और जोस बटलर के अर्धशतकों की मदद से गुजरात टाइटंस ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को सात विकेट से हराया। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 164 रन बनाए। जवाब में गुजरात ने 18.4 ओवर में तीन विकेट पर 165 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। गुजरात के लिए बटलर ने 60 रन और गिल ने 56 रन बनाए। इन दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 84 रन जोड़कर जीत की नींव रखी। गुजरात की यह दूसरी जीत है। लखनऊ ने पिछले दो मैच जीते थे, लेकिन उसे घरेलू मैदान पर हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में जीत के बाद गुजरात टाइटंस की टीम अंक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई है, जबकि लखनऊ की टीम छठे स्थान पर आ गई है। राजस्थान रॉयल्स की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर मौजूद है। उसने अपने शुरुआती चारों मैच जीते हैं।

भाजपा का परिसीमन प्रस्ताव संविधान पर खतरा : सोनिया

» कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने केंद्र सरकार पर करारा प्रहार किया है। कांग्रेस की रास सांसद बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि संसद के विशेष सत्र में असली मुद्दा महिला आरक्षण नहीं, बल्कि परिसीमन है। उन्होंने चेतावनी दी कि जिस तरह का परिसीमन प्रस्ताव सामने आ रहा है, वह बहुत खतरनाक है और यह संविधान पर हमला जैसा हो सकता है।

उन्होंने एक अखबार में लिखे अपने लेख में कहा कि सरकार जिस तेजी से बिल लाना चाहती है, उसके पीछे राजनीतिक फायदा उठाने की मंशा हो सकती है। उनका कहना है कि संसद का यह विशेष सत्र ऐसे समय बुलाया गया है जब नरेंद्र मोदी विपक्ष से समर्थन मांग रहे हैं, लेकिन असली जानकारी साझा नहीं की जा रही। सोनिया गांधी ने साफ कहा कि महिला आरक्षण कानून पहले ही पास हो चुका है, इसलिए यह मुद्दा अब विवाद का विषय नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि 23 में संसद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पास किया था, जिसमें महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में 33प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान है। लेकिन इस कानून को लागू करने के लिए जनगणना और उसके बाद परिसीमन जरूरी बताया गया था। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर सरकार अब 29 से महिला आरक्षण लागू करना चाहती है, तो यह फैसला पहले क्यों नहीं लिया गया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष ने कई बार सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की, लेकिन सरकार ने इसे नजरअंदाज कर दिया।

राजनीतिक संतुलन को ध्यान में रखकर होना चाहिए परिसीमन

उन्होंने कहा कि अगर लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाई जाती है, तो यह केवल गणित के आधार पर नहीं बल्कि राजनीतिक संतुलन को ध्यान में रखकर होना चाहिए। उनका तर्क है कि जो राज्य जनसंख्या नियंत्रण में आगे रहे हैं, उन्हें नुकसान नहीं होना चाहिए, वरना उनकी राजनीतिक ताकत कम हो सकती है।इसके अलावा उन्होंने सरकार पर जातिगत जनगणना को लेकर भी निशाना साधा। उनका आरोप है कि सरकार जानबूझकर इसे टाल रही है। उन्होंने कहा कि बिहार और तेलंगाना जैसे राज्यों ने कम समय में जातिगत सर्वे कर दिखाया है, इसलिए देरी का बहाना सही नहीं है।

परिसीमन ही असली चिंता का विषय

उन्होंने यह भी कहा कि 21 में होने वाली जनगणना को सरकार ने टाल दिया, जिससे करोड़ों लोगों को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पाया। अब सरकार 27 में डिजिटल जनगणना की बात कर रही है, लेकिन इसके बावजूद इतनी जल्दबाजी में परिसीमन लाने का कोई ठोस कारण नहीं है। आखिरी में सोनिया गांधी ने कहा कि सरकार को जल्दबाजी में बड़े फैसले लेने के बजाय विपक्ष के साथ चर्चा करनी चाहिए।

पाक में नहीं बनी अमेरिका-ईरान के बीच बात, फिर बढ़ा तनाव

» अमेरिका ने होर्मुज के नाकेबंदी की दी धमकी भड़का चीन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इस्लामाबाद में 21 घंटे चली मैराथन बैठक के बेनतीजा रहने के बाद अमेरिका-ईरान के बीच तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। यूएस प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज ऑफ स्ट्रेट में आज (13 अप्रैल) से नाकेबंदी करने का ऐलान किया है, ट्रंप धमकी पर तेहरान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। वहीं अब चीन का भी होर्मुज स्ट्रेट को लेकर बड़ा बयान सामने आया है।

चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून ने कहा, हम विश्व में शांति और स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध हैं हम मध्य पूर्व की स्थिति पर नजर रख रहे हैं। हमारे जहाज होर्मुज स्ट्रेट में लगातार आ-जा रहे हैं। ईरान के साथ हमारे व्यापार और ऊर्जा समझौते हैं. हम उनका सम्मान करेंगे और अपेक्षा करते हैं कि अन्य लोग हमारे मामलों में दखल न दें। ईरान होर्मुज स्ट्रेट को नियंत्रित करता है और यह हमारे लिए खुला है। वहीं दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) के विदेश मंत्रियों ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए युद्धविराम का स्वागत करते हुए इसे स्थायी समाधान और क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में एक कदम बताया है। एक संयुक्त बयान में, 10 सदस्यीय समूह के विदेश मंत्रियों ने ऊर्जा प्रवाह और व्यापार मार्गों के वैश्विक महत्व पर प्रकाश डाला। हम होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों और विमानों के सुरक्षित, निर्बाध और निरंतर पारगमन मार्ग की बहाली का आह्वान करते हैं। साथ ही सभी पक्षों से अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा सम्मेलन के अनुसार नाविकों और जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी आह्वान करते हैं। मंत्रियों ने वाशिंगटन और तेहरान से संघर्ष के स्थायी अंत की ओर ले जाने वाली वार्ता जारी रखने का आग्रह किया और पाकिस्तान और सभी संबंधित पक्षों के मध्यस्थता प्रयासों की सराहना की।

बिहार में सम्राट ही होंगे सीएम,15 को लेंगे शपथ

» नीतीश कुमार 14 अप्रैल को देंगे इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में राजनीतिक फेरबदल के तहत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद एनडीए की नई सरकार का गठन होगा, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह भी शामिल होंगे।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को नए मुख्यमंत्री पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा है, जिनकी नियुक्ति लगभग तय है। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 15 अप्रैल को बिहार में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री 14 अप्रैल की रात पटना पहुंचेंगे और संभवत: वहीं रात बिताएंगे। शपथ ग्रहण समारोह पटना के राजभवन और लोकभवन परिसर में आयोजित किया जाएगा। खबरों के मुताबिक, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 14 अप्रैल को सुबह 11 बजे मंत्रिमंडल की बैठक बुलाएंगे, जिसके बाद वे राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप देंगे। इस कदम से राज्य में एनडीए के नेतृत्व वाली नई सरकार के गठन का औपचारिक मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। इससे पहले एनडीए विधायकों की बैठक भी निर्धारित है, जिसमें विधायक दल के नए नेता का चुनाव होगा। अब सबकी निगाहें भाजपा के वरिष्ठ नेता और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर टिकी हैं, जिन्हें मुख्यमंत्री पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, उनकी नियुक्ति लगभग तय है, हालांकि आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है।

एमएसपी को लेकर केंद्र को सुप्रीम नोटिस

कोर्ट ने मांगा जवाब- छोटे-बड़े किसानों के लिए एक जैसी पॉलिसी नहीं हो सकती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने किसानों की फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर केंद्र सरकार को जवाब देने के लिए नोटिस जारी किया। याचिका में खेती की पूरी असली लागत को रूक्क में शामिल करने और पूरी फसल की खरीद की मांग की गई है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि एमएसपी लागत से कम है और इसे लागत से 50 प्रतिशत अधिक होना चाहिए।

किसानों की फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित करने को लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर मांगा जवाब है. याचिका में मांग की गई है कि सरकार जब न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करे, तो वह खेती की पूरी असली लागत को ध्यान में रखे, जो किसान अपनी फसल एमएसपी पर बेचना चाहते हैं, सरकार उनकी पूरी फसल खरीदे। इसके साथ ही हर गांव, ब्लॉक, तहसील और जिले में पर्याप्त सरकारी खरीद केंद्र बनाए जाएं। किसानों की आर्थिक परेशानी को देखते हुए किसानों का कृषि कर्ज माफ किया जाए। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केंद्र और कृषि लागत एवं मूल्य आयोग समेत अन्य पक्षों को नोटिस जारी कर याचिका पर उनका जवाब मांगा,याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि यह याचिका देश के किसानों से जुड़े एक बहुत महत्वपूर्ण मुद्दे को उठाती है, याचिका में अधिकारियों को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि वे खेती की वास्तविक लागत के आधार पर तय एमएसपी के तहत अधिसूचित सभी फसलों की पूरी खरीद सुनिश्चित करें. याचिका में यह निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया है कि जो किसान अपनी फसल एमएसपी पर बेचना चाहते हैं, उनकी फसलों की पूर्ण खरीद सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाए जाए। याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि हर साल दस हजार से ज़्यादा किसान सुसाइड करते हैं। एमएसपी कॉस्ट प्राइस से कम दिया जाता है. यह कॉस्ट प्राइस प्लस 50 परसेंट होना चाहिए । सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, बहुत सारे मैथमेटिकल फ़ॉर्मूले बताए जा रहे हैं, ज़मीन और कैपिटल की कॉस्ट में मुश्किल आएगी, क्या यह हर राज्य या ज़िले में अलग-अलग नहीं होगा? इस पर प्रशांत भूषण ने कहा कि सरकार का फ्री राशन देना ठीक है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि किसान पर ऐसा असर पड़े कि उन्हें कॉस्ट न मिले और वे सुसाइड कर लें। पूरे देश की वेटेड एवरेज कॉस्ट लें और उतना भुगतान करें, हालांकि, सीजेआई ने कहा कि यहां बड़ी ज़मीन वाले किसान हैं, सभी के लिए एक जैसी पॉलिसी नहीं हो सकती।

लालू यादव को राहत, पेशी से मिली छूट

» सुप्रीम कोर्ट ने एफआईआर रद्द करने से किया इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जमीन के बदले नौकरी घोटाले के मामले में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव को सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल कोई बड़ी राहत नहीं मिली है। सर्वोच्च न्यायालय ने निचली अदालत में चल रही कार्यवाही पर रोक लगाने की उनकी मांग को खारिज कर दिया है।

हालांकि, इस मामले में एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने लालू यादव को निचली अदालत की कार्यवाही में व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट प्रदान की है। यह फैसला बुधवार को सुनाया गया, जिससे इस बहुचर्चित घोटाले में न्यायिक प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर प्राथमिकी (एफआईआर) को रद्द करने की याचिका पर दिल्ली उच्च न्यायालय को जल्द सुनवाई का निर्देश भी दिया है। जमीन के बदले नौकरी घोटाला कथित तौर पर उस समय का है जब लालू प्रसाद यादव रेल मंत्री थे। आरोप है कि रेलवे में नौकरी देने के बदले जमीनें ली गईं। इस मामले में सीबीआई ने लालू यादव और अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। लालू यादव ने इस मामले में अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर और निचली अदालत की कार्यवाही को रद्द करने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

ठाणे में भीषण हादसा, नौ की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में सोमवार को एक भीषण सड़क हादसे की खबर सामने आई है। महाराष्ट्र पुलिस ने बताया कि राज्य के ठाणे जिले में एक पुल पर सीमेंट मिक्सर से एक वाहन टकराने से नौ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हादसे में तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों को पुलिस ने तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उनका इलाज जारी है।

पुल पर सीमेंट मिक्सर से वाहन की टक्कर

पुलिस की ओर से दुर्घटनास्थल पर बचाव एवं राहत कार्य जारी है। हादसे के बाद पुल पर ट्रैफिक जाम हो गया था। पुलिस उसे भी खुलवाने की कोशिश में जुटी है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, बचाव दल और चिकित्सा टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गईं। घायलों को अस्पताल ले जाने और शवों को निकालने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। महाराष्ट्र पुलिस ने बताया कि महाराष्ट्र ठाणे जिले में सोमवार को एक भयावह सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें एक वैन और सीमेंट मिक्सर की टक्कर हो गई। यह हादसा सुबह करीब 11.30 बजे मुरबाड के गोविली गांव में रैता पुल पर हुआ। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, विपरीत दिशा से आ रहे एक सीमेंट मिक्सर से वैन की सीधी टक्कर हो गई। इस टक्कर की भयावहता इतनी अधिक थी कि वैन में सवार कम से कम नौ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com |website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा